मैं खिलाड़ी की काबिलियत का आकलन इस आधार पर करता हूं कि वह कितने साल खेल सका। - **रिकी पोंटिंग**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, खिलाड़ियों की काबिलियत को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सर्पस्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन डुसान लाजोविच से हार गए। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि जोकोविच को अपने हमवतन किसी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। लाजोविच ने शुक्रवार को खेले गए इस मैच में 6-4 7-6 (6) से जीत दर्ज करने के बाद कहा,'' यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरा अच्छा दोस्त और हमारे देश का नायक है। मैंने उसे हराने के बारे में सोचा तक नहीं था लेकिन ऐसा हो गया।''

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

क्या अब विराट-रोहित युग से आगे बढ़ने का समय है

दोनों की कप्तानी में आईसीसी के छह टूर्नामेंट खेले, ट्रॉफी एक भी नहीं जीती

नई दिल्ली, 13 जून। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकतरफा अंदाज में हारने के बाद भारतीय टीम और इसकी लीडरशिप पर उठ रहे सवाल और भी मजबूत हो गए हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े स्टार हैं। साल 2016 के बाद हुए 6 टूर्नामेंट में भारत ने इनकी कप्तानी में शिरकत की है, लेकिन कामयाबी किसी में भी नहीं मिली। इन दोनों से पहले टीम के लीडर महेंद्र सिंह धोनी थे। उनकी अगुआई में भारत ने 3 ट्रॉफी जीतीं। आखिरी खिताबी जीत 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आई थी। इसके बाद से ही भारत का ट्रॉफी कैबिनेट खाली है। धोनी अपनी कप्तानी के आखिरी तीन साल में कोई खिताब नहीं जिता पाए थे। उनके जाने के बाद भारतीय फैंस ने उम्मीद जताई थी कि विराट कोहली के आने से ट्रॉफी का सूखा खत्म होगा। कोहली के बाद यह आस रोहित शर्मा से बंधी, लेकिन दोनों ही खिताबी कामयाबी हासिल नहीं कर पाए। बतौर कप्तान मैच जीतने के लिहाज से कोहली का रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन वे टीम को बड़े टूर्नामेंट में कामयाब नहीं बना पाए। विराट ने 213 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की और 135 में टीम जीती। सिर्फ 60 में हार का सामना करना पड़ा। 3 मैच टाई, 11 ड्रॉ और 4 नो रिजल्ट रहे। जीत और हार का औसत 2.250 रहा। यानी उनकी कप्तानी में भारत ने जितने मैच गंवाए उसके दोगुने से भी ज्यादा जीते। हालांकि कोई टूर्नामेंट का खिताब जीतना कप्तान विराट के लिए सपना ही रह गया। हां, जूनियर लेवल पर उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप जरूर जीता है। 2017 में इंग्लैंड में हुआ चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट बतौर कप्तान विराट का पहला टूर्नामेंट था। इसके फाइनल में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ करारी शिकस्त मिली। इसके बाद 2019 वनडे वर्ल्ड कप में भारत सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारा। 2021 फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड ने ही हराया। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। यानी विराट ने दो टूर्नामेंट के फाइनल तक भारत को पहुंचाया, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से महिला हैडबॉल टीम पहुंची कजाखिस्तान

नई दिल्ली 13 जून। कप्तान निधि शर्मा के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम बुधवार से शुरू होने वाली छठीं एशियन महिला क्लब लीग हैंडबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिये कजाखिस्तान के अलमाटी पहुंच गयी। टीम का उपकप्तान मेनिका को बनाया गया है। आगामी 14 से 20 जून तक आयोजित इस चैंपियनशिप में भारतीय टीम के दल प्रमुख डा.आनन्देश्वर पाण्डेय बनाए गए है। नई दिल्ली से रवानगी से पूर्व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, कोषाध्यक्ष डा.तेजराज सिंह व महासचिव ए.जगनमोहन राव ने भारतीय टीम के चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कामना की। इस अवसर पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी पिछले काफी अरसे से अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर शानदार प्रदर्शन कर रहे है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने व अपनी छाप छोड़ने में कामयाब होंगी। **भारतीय महिला हैंडबॉल टीम:** निधि शर्मा (कप्तान), मेनिका (उपकप्तान), मिताली शर्मा, दीक्षा कुमारी, प्रियंका ठाकुर, खुशबू आचार्य, रेखा, ज्योति मीना, ऐरांटा मीना, अक्षया, अक्सा सनी, शालिनी ठाकुर, आशा रानी, भावना। **आफिशियल :- मुख्य कोच :** सचिन चौधरी, कोच : साइरिल डिसूजा, मैनेजर : शिवबचन प्रजापति, असिस्टेंट मैनेजर : अजय कुमार जायसवाल, हेड ऑफ डेलीगेशन : डा: आनन्देश्वर पाण्डेय।

स्टार स्पोर्ट्स ने विंबलडन 2023 के लिए लांच किया प्रोमा

मुंबई,13 जून। साल के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन का जश्न मनाने और प्रशंसकों को उत्साह बढ ाने के लिये स्टार स्पोर्टस ने एक आकर्षक प्रोमो 'आलवेज लाइक नेवर बिफोर' लांच किया है। विंबलडन में घास के मैदानों को बेहद बारीकी से सजाया गया है और एक शताब्दी से भी अधिक समय तक इसका समृद्ध इतिहास रहा है। इस साल यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट तीन से 16 जुलाई के बीच खेला जायेगा जिसे भारत में स्टार स्पोर्ट्स 2, स्टार स्पोर्ट्स सिलेक्ट 1, स्टार स्पोर्ट्स सिलेक्ट 2 और डिज्नी हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा। प्रोमो में फिल्म खिलाड़ियों के कौशल, अटूट दृढ संकल्प और अदम्य भावना के असाधारण प्रदर्शन को उजागर किया गया है। फिल्म में महान नोवाक जोकोविच, विश्व नंबर 1 इगा स्वोटेक और कार्लोस अल्कराज, स्टेफानोस त्सिटिपास और कोको गॉफ जैसे होनहार खिलाड़ी हैं जो ताज के लिए कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में मौजूदा चैम्पियन नोवाक जोकोविच खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगे।

वेस्टइंडीज दौरे में नये चेहरों को मौका मिलने के आसार

नई दिल्ली 13 जून। इंडियन प्रीमियर लीग के हाल ही में संपन्न सत्र में अपने हुनर का लोहा मनवाने वाले रिंकू सिंह और यशस्वी जायसवाल जैसे चेहरों को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पांच मैचों की एक दिवसीय श्रृखंला में मौका मिलने की पूरी संभावना है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में मिली हार के बाद स्वदेश लौटी भारतीय टीम करीब एक महीने के विश्राम के बाद जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे की शुरूआत करेगी। कैरीबियन टीम के खिलाफ भारत दो टेस्ट मैच,तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगा। दौरे की शुरूआत 12 जुलाई से खेले जाने वाले टेस्ट मैच से होगी जबकि दौरे का समापन टी-20 मैचों की श्रृखंला से होगा।

डेनवर नगेट्स ने एनबीए लीग का टाइटल जीतकर इतिहास रचा, पहली बार विजेता बनी

नई दिल्ली, 13 जून। डेनवर नगेट्स ने मंगलवार को नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन लीग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। अमेरिका के डेनवर के बॉल एरिना में खेले गए फाइनल मैच में टीम ने मियामी हीट को 94-89 से हराया। डेनवर नगेट्स साल 1967 से चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही है, लेकिन यह पहली बार है जब उसने ट्रॉफी जीती है। बता दें, मियामी हीट ने तीन बार ट्रॉफी जीती है। लॉस एंजिल्स लेकर्स लीग की सबसे सफल टीम लॉस एंजिल्स लेकर्स और बोस्टन सेल्टिक्स लीग की सबसे सफल टीमें हैं। इन दोनों टीमों ने 17-17 बार लीग का खिताब जीता है। गोल्डन स्टेट वारियर्स सात ट्रॉफी के साथ तीसरे नंबर पर है। शिकागो बुल्स छह और सैन एंटोनियो स्पर्स पांच बार चैंपियन बनी है।

शुरू के दोनों क्वार्टर मियामी हीट के नाम रहें मियामी हीट ने मैच का पहला क्वार्टर 24-22 से जीता था। पहले क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने भी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन दो पॉइंट्स से पीछे रही। दूसरे क्वार्टर में मियामी हीट फिर हावी रही और 27-22 के स्कोर के साथ बाजी मारी। मैच का तीसरा क्वार्टर डेनवर नगेट्स ने 26-20 से जीता। मैच के चौथे क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने मियामी हीट पर दबाव बनाए रखा और मैच का चौथा क्वार्टर जीत लिया। चौथे क्वार्टर के अंत में अंतिम स्कोर 24-18 था। चारों क्वार्टर मिलाकर मैच का अंतिम स्कोर 94-89 था।

रवि शास्त्री ने कहा, खिलाड़ी फैसला करें, आईपीएल जरूरी या डब्ल्यूटीसी

मुंबई 13 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत को मिली करारी हार के बाद दिग्गज क्रिकेटरों के बीच छिड़ी बहस के बीच भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है कि वे इंडियन प्रीमियर लीग जैसे व्यवासयिक टूर्नामेंट को चुनते हैं अथवा डब्ल्यूटीसी सरीखे प्रतिष्ठित मैचों की तैयारी में अपना समय और ऊर्जा खपाते हैं।

क्रिकइंफो के अनुसार शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, देखिए ऐसा कभी नहीं होने वाला है कि आपको किसी मैच या सीरीज़ की तैयारी के लिए 20-21 दिन मिले। अंतिम बार ऐसा 2021 के इंग्लैंड दौरे पर हुआ था, जब भारतीय टीम पहले टेस्ट से तीन सप्ताह पहले वहां पहुंच गई थी। इसका भारत को फ़ायदा भी हुआ और वे सीरीज़ में 2-1 से आगे थे। लेकिन यह तभी संभव हो पाया था, जब कोरोना के कारण आईपीएल का दूसरा हाफ़ टल गया था। तभी इतना समय मिल पाया था। उन्होंने कहा, हमें यथार्थ में जीना होगा। आपको ये 20 दिन कभी नहीं मिलेंगे और अगर ऐसा होता है तो आपको आईपीएल छोड़ना होगा। यह अब खिलाड़ियों और बीसीसीआई पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई भी इस पर ध्यान देगा। अगर हर बार डब्ल्यूटीसी का फ़ाइनल आईपीएल के एक सप्ताह बाद जून में पड़ता है तो फ़ाइनल में पहुंचने वाले फ्रैंचाइज़ियों के लिए कुछ शर्तें होनी चाहिए।

गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप के फाइनल में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल जैसे मैचों की तैयारियों के लिए आदर्श रूप से कम से कम 20-25 दिन चाहिए होते हैं जबकि आईपीएल के बाद टीम को तैयारी का अवसर नहीं मिला। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने भी डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल से पहले व्यस्त शेड्यूल का हवाला दिया था और कहा था कि एक कोच के तौर पर वह ऐसी तैयारियों से बिल्कुल भी ख़ुश नहीं हो सकते, लेकिन सच्चाई यही है कि उन्हें इससे अधिक समय मिल भी नहीं सकता है। उन्होंने कहा था, शेड्यूल बहुत टाइट है। जब आप यहां पर तीन सप्ताह पहले आते हो और दो अभ्यास मैच खेलते हो, तब आपकी तैयारी बेहतर होती है। लेकिन यह सुविधा हमारे पास नहीं है। हालांकि यह कोई बहाना या शिक़ायत भी नहीं है। भारतीय घरेलू क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बेहतरीन कर रहे है, उन्हें बस ढूंढने और सही मौक़ा देने की ज़रूरत है।

भारत को अगले डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत जुलाई में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ सीरीज़ से करना है। इस साल अक्तूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन को खिलाड़ियों का वर्कलोड मैनेजमेंट भी करना है। इसका मतलब यह भी है कि वेस्टइंडीज़ दौरे पर कुछ खिलाड़ियों को आराम भी दिया जा सकता है। शास्त्री का मानना है कि यह सही मौक़ा है जब कुछ युवा खिलाड़ियों को मौक़ा दिया जाए, जो आगे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भी ले सकें। उन्होंने भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कुछ कठिन निर्णय लेने की भी बात कही।

उन्होंने कहा, थिंक-टैंक और चयनकर्ताओं को भविष्य को देखते हुए योजना बनानी होगी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा कई वर्षों से करता आ रहा है। वे सिर्फ़ आज नहीं बल्कि अगले तीन साल की टीम बनाते हैं। वे इसका इंतज़ार नहीं करते कि अचानक से कुछ खिलाड़ी संन्यास लें या ख़राब फ़ॉर्म में आएं और उनके पास कोई विकल्प ही ना रहे। उनकी टीम में युवा और अनुभव का मिश्रण है। वहां के युवा खिलाड़ी, अनुभवी खिलाड़ियों से तेज़ी से सीखते हैं। वहां का टीम प्रबंधन कठिन निर्णय भी लेता है, जिसको कई लोग पसंद नहीं करते, लेकिन वह टीम के हित में होता है। तभी उनकी टीम इतनी मज़बूत है। यही योजना भारत को भी बनानी होगी।

कप्तान रोहित भी कहीं ना कहीं शास्त्री की बातों से सहमत नज़र आते हैं। उन्होंने फ़ाइनल के बाद पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में कहा था, हमें कुछ सवालों का जवाब ढूंढ़ना होगा। घरेलू क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें बस ढूंढ़ने, तराशने और सही समय पर सही मौक़ा देने की ज़रूरत है।

क्या टेस्ट टीम से पुजारा-उमेश की छुट्टी होगी

डब्ल्यूसीटी फाइनल के बाद नया बैच तैयार कर रहे सिलेक्टर्स, विंडीज में जायसवाल-मुकेश को मौका

मुंबई, 13 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में लगातार 2 फाइनल गंवाने के बाद भारतीय टीम में बदलाव का दौर शुरू हो रहा है। हालांकि इसमें कुछ समय लग सकता है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद अब भारतीय सिलेक्टर्स पर नया बैच तैयार करने का दबाव है। ऐसे में कुछ टेस्ट स्पेशलिस्ट प्लेयर को अपनी प्लेस गंवानी पड़ सकती है। साथ ही कुछ युवा चेहरों को आजमाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फाइनल हारने के बाद टेस्ट स्पेशलिस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव अपनी जगह गंवा सकते हैं। उनकी जगह युवा यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को विंडीज दौरे पर मौका दिया जा सकता है, क्योंकि टेस्ट चैम्पियनशिप के पिछले सीजन में पुजारा और उमेश ही टीम की कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। ऐसे में संभव है कि उन्हें ड्रॉप किया जाए।

एलपीएल की नीलामी में सुरेश रैना भी शामिल

कोलंबो, 13 जून। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के 31 जुलाई से शुरू होने वाले चौथे सत्र की नीलामी 14 जून को होगी जिसमें भारत के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना भी उपलब्ध होंगे। नीलामी के लिए कुल 360 खिलाड़ियों को चुना गया है जिसमें भारतीय टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना भी उपलब्ध रहेंगे। नीलामी सूची के अनुसार नीलामी में श्रीलंका के 202 खिलाड़ियों की बोली लगेगी। लिस्ट में बाकी 153 खिलाड़ियों में विदेशी क्रिकेटर शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में सबसे अधिक 34 खिलाड़ी पाकिस्तान के है जबकि आस्ट्रेलिया के 24, बांग्लादेश के 24, वेस्ट इंडियन के 14 और दक्षिण अफ्रीका के दस खिलाड़ियों की बोली नीलामी में लगेगी। तमीम इकबाल (बांग्लादेश), क्रिस लिन (ऑस्ट्रेलिया), एविन लुईस (वेस्टइंडीज), लेंडल सिमंस (वेस्टइंडीज), इमाद वसीम (पाकिस्तान), टिम सीफर्ट (न्यूजीलैंड), रस्सी वान डेर डूसन (दक्षिण अफ्रीका), इमरान ताहिर (दक्षिण अफ्रीका), ईश सोढ़ी (न्यूजीलैंड), नूर अहमद (अफगानिस्तान) समेत कुछ अन्य शीर्ष खिलाड़ी बुधवार को नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी 50 हजार अमेरिकी डालर के आधार मूल्य के साथ खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम रखा है। 36 वर्षीय विश्व कप विजेता मध्यक्रम के बल्लेबाज ने 18 टेस्ट, 226 एकदिवसीय और 78 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। जाने-माने भारतीय कमेंटेटर, कंपेयर और क्विज मास्टर चारु शर्मा एलपीएल नीलामी के लिए नीलामीकर्ता के तौर पर काम करेंगे।

डब्ल्यूटीसी हार पर तेंदुलकर ने पूछा- अश्विन बाहर क्यों

गावस्कर ने कहा- कोहली ने कैसा शॉट खेला; रोहित बोले- शॉट खेलने की छूट दी थी

नई दिल्ली, 13 जून। ऑस्ट्रेलिया से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारने के बाद इंडिया के क्रिकेट लीजेंड्स टीम पर सवाल उठा रहे हैं। सचिन तेंदुलकर ने आर अश्विन जैसे स्पिनर को टीम से बाहर रखने पर हैरानी जताई। सुनील गावस्कर ने कहा कि कोहली ने खराब शॉट खेला। उनसे पूछना चाहिए कि वो क्या शॉट था। टीम इंडिया के कप्तान ने फाइनल हारने के बाद रविवार को सफाई दी थी कि उनकी टीम के बल्लेबाजों के एकाठाता में कोई कमी नहीं थी, बस टीम थोड़ा अलग बल्लेबाजी का प्लान लेकर उतरी थी।

सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया, ''पहली पारी में इंडिया को ज्यादा स्कोर करना था, ताकि वो खेल में बने रहे। लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए। टीम के लिए कुछ अच्छे मोमेंट्स भी थे। लेकिन मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि अश्विन को टीम से बाहर क्यों रखा गया, जबकि अभी वो दुनिया का नंबर वन टेस्ट बॉलर है। मैंने मैच से पहले भी कहा था कि टैलेंटेड स्पिनर्स हमेशा घूमने वाले विकेट के भरोसे नहीं रहते। वे उछाल और गति में बदलाव से विकेट का इस्तेमाल करते हैं। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि ऑस्ट्रेलिया के टॉप 8 बल्लेबाजों में 5 लेफ्ट हैंडर थे।''

तेंदुलकर ने यह सवाल इसलिए भी उठाया, क्योंकि मौजूदा सीजन में अश्विन ने 13 टेस्ट में 61 विकेट लिए हैं। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''कोहली का शॉट खराब था। वो बहुत ही साधारण शॉट था। आप मुझसे पूछने की बजाय कोहली से पूछें कि वो क्या शॉट था। हम इतनी बार बात कर चुके हैं कि मैच जीतने के लिए आपको बड़ी इनिंग की जरूरत होती है। आपको शतक मारने की जरूरत होती है। जब आप ऑफ स्टंप से इतनी बाहर की गेंद पर शॉट खेलेंगे तो आप सेंचुरी कैसे बनाएंगे? शायद वो फिफ्टी के करीब थे इसलिए उनके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। जडेजा के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जब वो पहली पारी में 48 रन पर आउट हो गया।''

ऑस्ट्रेलिया से 209 रन से हारने के बाद रोहित ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, '' फाइनल में एक मैच की बजाय तीन मैचों की सीरीज हो। हमने कड़ी मेहनत की, बड़ी टीमों को उनके घर में कड़ी टक्कर दी और लगातार दूसरी बार यहां तक पहुंचे, लेकिन केवल एक ही मैच खेलकर चैंपियनशिप गंवा दी। मुझे लगता है अगले साइकल में तीन मैचों की सीरीज सही रहेगी।'' इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अगला फाइनल लॉर्ड्स पर खेले जाने की घोषणा पहले ही कर दी है। ऐसे में रोहित ने कहा, ''यह मैच कहीं भी कराया जा सकता है। जून में फाइनल नहीं होना चाहिए। यह साल में किसी भी समय हो सकता है। सिर्फ इंग्लैंड में ही नहीं, बल्कि कहीं भी हो सकता है।''

टीम इंडिया के कप्तान बोले, ''ऐसे फाइनल के लिए 20 से 25 दिन की तैयारी चाहिए। पिछली बार इंग्लैंड में हमने यही किया था और नतीजा आपने देखा। हम 2-1 से आगे थे जब अगला मैच स्थगित हुआ था। टेस्ट क्रिकेट में काफी अनुशासन की जरूरत है।'' रोहित ने ये माना कि दूसरी इनिंग में कई गलत शॉट्स खेले गए, लेकिन उन्होंने टीम की बेहद आक्रामक बैटिंग पर कुछ नहीं कहा।

इंडोनेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु

// प्रणय भी अगले दौर में, त्रीशा-गायत्री की जोड़ी बाहर //

नई दिल्ली, 13 जून। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने मंगलवार को जकार्ता में खेली जा रही इंडोनेशिया ओपन वर्ल्ड टूर सुपर 1000 के पहले राउंड में इंडोनेशिया ठिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मेंस सिंगल में एचएस प्रणय भी अपना मुकाबला जीत कर अगले दौर में पहुंच गए हैं। वहीं त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। सिंधु के खिलाफ ठिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुछ अच्छे अंक जुटाए और ठिगोरिया की लगातार तीन गलतियों से ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बना ली और फिर गेम जीतने में सफल रही।

दूसरे गेम में सिंधु बेहतर लय में नजर आईं। सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु अगले दौर में तीसरी वरीय ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी। ताइवान की खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है।

टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था, तब रोहित बेस्ट ऑप्शन थे : गांगुली

// डब्ल्यूटीसी हार पर कहा- टीम में लड़ने का जज्बा नहीं दिखा //

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि नहीं चाहता था कि विराट कोहली टेस्ट की कप्तानी छोड़ें। उनसे टेस्ट की कप्तानी न छोड़ने के लिए अनुरोध भी किया गया था। उन्होंने कहा कि कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था। हमने जब यह खबर सुनी तो हम भी हैरान रह गए थे। इसके लिए तैयार नहीं था। उस वक्त टीम में रोहित शर्मा ही कप्तानी का बेहतर विकल्प थे। गांगुली ने फाइनल में हार पर कहा- टीम की अप्रोच डिफेंसिव थी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। इस टीम को खुलकर खेलना चाहिए। जीत मिलेगी। गांगुली ने यह बात एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही। विराट ने जनवरी 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी थी। यह फैसला उन्होंने साउथ अफ्रीका सीरीज में 2-1 से हार के बाद किया था। उन्होंने नवंबर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी। दिसंबर 2021 में उन्हें वन डे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। गांगुली ने कहा, रोहित ने 5 खिताब जीते हैं। उन्होंने 2018 में भारत को एशिया कप में भी जीत दिलाई थी। रोहित को तब तक बतौर कप्तान जो भी जिम्मेदारी दी गई थी, उसमें वे सफल रहे थे। विराट इस समयभारतीय टीम की कप्तानी के लिए रोहित ही ठीक हैं। रोहित और द्रविड़ को आगे होने वाले टूर्नामेंट में ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता दिखानी होगी।'' गांगुली ने कहा कि फाइनल में टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल वाली गलती दोहराई। टीम द ओवल में खिताबी मुकाबले में रिस्क लेने की हिम्मत नहीं दिखा सकी। भारतीय टीम को रिस्क लेना चाहिए था। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना बेहतर होता। इससे टीम की मानसिक मजबूती सामने आती। 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में राहुल द्रविड़ ने बतौर कप्तान कठिन पिच पर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया था और उस मैच में जीत भी दर्ज की थी।'' गांगुली ने कहा, ''अभी ऐसा लगता है कि भारतीय खिलाड़ी बंधकर खेलते हैं। इससे बाहर निकलने की जरूरत है। टूर्नामेंट में नाकामी की एक वजह डिफेंसिव अप्रोच रखना है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी थोड़े बंधे हुए हैं। टी-20 तो मारने का ही खेल है, जिस टीम के पास 8 नंबर तक बल्लेबाज हैं, उसमें तो ऊपर वालों को खुलकर ही खेलना चाहिए। यहां पंड्या और जडेजा 6 व 7 पर खेलते हैं। अक्षर पटेल को लेते हैं तो 8 पर खेलेंगे, तो खुलकर खेलो। यह गलती फाइनल में भी दोहराई गई।'' सौरव बोले, ''फाइनल में भारतीय टीम डरी डरी-सी दिखी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। फाइनल जैसे मुकाबलों में उन्हें सोचना होगा कि हमें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। भारत बहुत अच्छी टीम है। उसने पिछले दो साल में काफी कुछ जीता है। टीम इंग्लैंड में दो टेस्ट मैच जीती। उससे पहले टीम ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने का कारनामा दिखा चुकी थी। उस मैच में ऋषभ पंत ने शानदार पारी खेली। तब कई बड़े खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। यहां ओवल में पहले दो सेशन में हम पीछे चले गए और वहां से रिकवरी नहीं हो सकी। टीम ने चढ़कर खेलने की कोशिश नहीं की।'' पूर्व कप्तान ने कहा, ''फाइनल में जो चीज मुझे नहीं दिखी वह यह थी कि चलो लड़ते हैं। यह अप्रोच मुझे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी नहीं दिखी। हमारे खिलाड़ी उम्मीदों के बोझ तले दब गए। उससे निकलना जरूरी है। हार गए तो हार गए...इस टीम के पास इतनी प्रतिभा है, मैं समझ नहीं पा रहा कि क्या ये बार-बार हारेंगे। इस टीम को रिस्क लेने की जरूरत है। राहुल द्रविड़, टीम मैनेजमेंट को सोचना होगा कि डर को पीछे छोड़ना है।'' गांगुली ने कहा, ''जो भारतीय फैंस क्रिकेट देखते हैं, उनसे यही कहना चाहता हूं कि भारत दूसरी बार फाइनल पहुंचा है, इसकी तारीफ करनी चाहिए। हम जीत भी जाएंगे एक-दो बार। जीतने के लिए मैं समझता हूं कि बिना डरे खेलें। जब हम खेलते थे तो हमारे भी बल्ले के किनारे लगे हैं। हम भी हारे हैं। खुलकर खेलो...हारोगे ही...बीच-बीच में जीत भी जाओगे। जिस टीम में इतने बड़े-बड़े नाम है वह बार-बार वर्ल्ड चैंपियनशिप नहीं हारेगी।''